Andhra Pradesh

18. Regional Science Centre, Tirupati (1993)

Gujarat

19. District Science Centre, Dharampur (1984)

Tamil Nadu

20. District Science Centre, Tirunelveli (1987)

Assam

21. Regional Science Centre, Guwahati (1991)

Madhya Pradesh

22. Regional Science Centre, Bhopal (1995)

23. Science Activity Corner, Gwalior (1995)

Kerala

24. Regional Science Centre & Planetarium, Calicut (1997)

Haryana

25. Science Activity Centre, Sirsa (1995)

26. Panorama Museum, Kurukshetra (nearing completion).

विश्व बैंक का साक्षरता-दर संबंधी प्रतिवेदन

3740. **श्री ईश दत्त यादवः**
श्री नागमणिः

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में साक्षरता-दर संबंधी विश्व बैंक के प्रतिवेदन पर गंभीरता से विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रतिवेदन के लक्षण क्या-क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने राज्य सरकारों से इस प्रतिवेदन का अध्ययन करने तथा साक्षरता-दर में सुधार लाने हेतु आवश्यक कदम उठाने को कहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (घ) विश्व बैंक ने देश में साक्षरता दर के आधार पर कोई रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की है। किन्तु "भारत-प्राथमिक शिक्षा की उपलब्धि तथा चुनौतियों" नामक एक प्रकाशन में जनगणना पर आधारित साक्षरता दरों से संबंधित आंकड़ों की सूचना दी गई थी।

अधिसूचित जिलों में पूर्ण साक्षरता अभियान आरंभ किया जाना

3741. **श्री ईश दत्त यादवः**
श्री नागमणिः

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अधिसूचित जिलों में पूर्ण साक्षरता अभियान आरंभ कर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस अभियान के अन्तर्गत विभिन्न राज्यों के अधिसूचित क्षेत्रों में कौन-कौन से स्थान शामिल किये गये हैं;

(ग) इसके लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था तथा किस सीमा तक यह लक्ष्य प्राप्त किया गया है; और

(घ) अधिसूचित क्षेत्रों में इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु क्या-क्या कदम उठाये गये हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (घ) संपूर्ण साक्षरता अभियान अधिसूचित क्षेत्रों सहित संपूर्ण क्षेत्र को शामिल करते हुए जिलों में शुरू किए जाते हैं। इन अभियानों का उद्देश्य 15-35 वर्ष की आयु वर्ग की निरक्षर जनसंख्या को शामिल करना है।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, का उद्देश्य वर्ष 1995 के अन्त तक संपूर्ण साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत 345 जिलों को शामिल करने का था, अब तक सम्पूर्ण देश के 428 जिलों को इसमें सम्मिलित कर लिया गया है।

साक्षरता कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने तथा उनमें सुधार करने के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं:

(i) राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे संपूर्ण साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत शामिल करने से छूटे हुए जिलों को

सम्मिलित करने के लिए एक समयबद्ध कार्य योजना तैयार करें।

(ii) पुनः प्रशिक्षण तथा विशेष प्रशिक्षण शिविरों, उनके प्रयासों को महत्व प्रदान करके उनकी प्रशंसा के माध्यम से साक्षरता कार्यक्रमों से जुड़े स्वयंसेवकों की प्रेरणा को बढ़ाने के लिए उपाय किए गए हैं।

(iii) अप्रत्याशित रूप से साक्षरता कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में पंचायती राज संस्थाओं को अधिकाधिक रूप से शामिल किया जा रहा है।

(iv) साक्षरता कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों, जवाहर रोजगार योजना, डी०डब्ल्यू०, एस०सी०आर०ए०, आदि जैसे अन्य विकास कार्यक्रमों के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर विशेष बल दिया गया है।

(v) राज्य साक्षरता मिशनों के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों को अधिकार विकेन्द्रित करना तथा उन्हें अधिकार सौंपना।

(vi) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देश के अनुसार निगरानी तथा मूल्यांकन तंत्रों को पुनर्गठित करना तथा उन्हें मजबूत बनाना। राज्य प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय इन साक्षरता कार्यक्रमों का बड़ी बारीकी से निरीक्षण करते हैं।

(vii) इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में आने वाली कमियों का पता लगाने तथा समय-समय पर सुधारात्मक उपाय शुरू करने के लिए साक्षरता कार्यक्रमों का संगामी मूल्यांकन कड़ाई से लागू किया जा रहा है।

(viii) विभिन्न अपरिहार्य कारणों से बन्द पड़ी हुई परियोजनाओं को पुनर्गठित तथा पुनः आरंभ करने के लिए आपरेशन रेस्टोरेशन शुरू किया गया है।

News report on purchase of dubious Artefacts

3742. DR. MOHAN BABU: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem appearing in the "Indian Express" dated 15th March, 1997, captioned, "Dubious artefacts worth crores find way into National Museum";

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) the steps proposed to get the artefacts examined in the museum laboratory at an early date?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S. R. BOMMAI): (a) Yes, Sir.

(b) In this news item, a number of allegations have been made against the National Museum regarding the purchase of art objects. The National Museum acquires art objects for its collection only on the recommendations of Art Acquisition Committee, duly constituted by Department of Culture, Ministry of Human Resource Development, consisting of eminent experts of national and international repute in the field of art and culture.

(c) The National Museum has a fully equipped conservation laboratory with expert conservators and scientists of national and international repute. While acquiring the art objects, the scientific examination is always conducted by them and on their recommendation regarding the genuineness of the art objects, they are acquired.

Besides, after the acquisition, a detailed study of the art objects is always being done by the Curators of the National Museum. Most of them are experts in their own field. They also take the help from various scholars visiting the Museum or locally available in studying these objects academically and historically. Further, there is a provision in the purchase procedure that if anything is found wrong in any of the objects within three years of purchase, the same is returnable to the sellers/dealers and the money paid, if any, is recovered from them. An agreement to this effect is invariably made with the sellers/dealers when their art objects are purchased. While resorting to the procedure, a